Brainbox
learn easy

अँधेरा – धुन्ध – Darkness अँधेरा का मतलब रात से है जब काला अँधेरा छा जाता है उस समय में कुछ दिखाई नहीं देता है |अँधेरे से सबको डर लगता है ।

मँडराते – Hovering - मडराने का मतलब घूमना होता है जब फूलों पर पंछी और तितली मडराती है फूलों से पंछी और तितली रस लेती है ।

गर्जन – गड़गड़ाहट – Thunder गरज या गड़गड़ाहट मुख्य रूप से बिजली के चमकते समय होती है। यह आकाशीय बिजली से निकालने वाले ध्वनि को कहते हैं। यह दूरी और बिजली के प्रकार पर निर्भर करता है। इसकी दूरी मापने के लिए इसके चमक और आवाज होने के बीच की दूरी को गिना जाता है। यह अचानक बढ़े दाब और तापमान के कारण होता है। जब अचानक से वायु का प्रसार होता है तो यह आवाज निकलता है।

मूसलाधार – वर्षा – Heavy rain - **वर्षा** (Rainfall) एक प्रकार का संघनन है। पृथ्वी के सतह से पानी वाष्पित होकर ऊपर उठता हैऔर ठण्डा होकर पानी की बूंदों के रूप में पुनः धरती पर गिरता है। इसे वर्षा कहते हैं।

वर्षा के प्रकार:

संवहनीय वर्षा

पर्वत कृत वर्षा

चक्रवाती वर्षा

Brainbox
learn easy

टहनियों – Twigs - शाखा पेड़ का लकड़ी वाला वह भाग होता है जो कि तने से जुड़ा होता है लेकिन तने का भाग नहीं होता है। पेड़ के तने से कई शाखाएँ जुड़ी होती हैं। प्रत्येक शाखा की कई उप-शाखाएँ भी होती हैं और कई शाखाएँ तथा उप-शाखाएँ मिलकर एक जालनुमा छत बुनती हैं जिसकी वजह से पेड़ को उसकी छतरी मिलती है। इस अर्थ में शाखा को टहनी भी कहते हैं।

खेत लहलहा Plowing the farm १. लहरानेवाली हरी पत्तियों से भरना । हरा भरा होना । फूल पत्तों से सरस और सजीव दिखाई देना । जैसे,—चारो ओर लहलहाते खेत चले गए हैं । संयो॰ क्रि॰—उठना ।—जाना ।

२. प्रकुल्ल होना । आनंद से पूर्ण होना । खुशी से भरना । जैसे,— इतना सुनते ही वे लहलहा उठे ।

३. टेढ़ी मेढ़ी रेखाओं के रूप में होना । रह रहकर दीप्त या व्यक्त होना । उ॰— तहाँ कहति है ब्रजभाभिनी । लहलहाति जनु नव दामिनी ।—नंद॰ ग्रं॰, पृ॰ ३२१ ।

४. सूखे पेड़ या पौधे में फिर से पत्तियाँ निकलना । पनपना । जैसे,—चार ही दिन पानी पाने से यह पौधा लहलहा- उठा ।

Brainbox learn easy

४. दुर्बल शरीर का फिर से हृष्ट और सजीव होना । शरीर पनपना । संयों॰ क्रि॰—उठना ।

भँवर – आवर्त्त – Whirlpool आम तौर पर जलभ्रम या जल भंवर, समुद्री ज्वार द्वारा निर्मित पानी का एक चक्करदार हिस्सा होता है। अधिकांश भंवर अधिक शक्तिशाली नहीं होते हैं। अधिक शक्तिशाली भंवर को सामान्य तौर पर

अंग्रेज़ी में मेल स्ट्रोम्स कहा जाता है। ऐसे किसी भी भंवर के लिए वोर्टेक्स शब्द उचित होता है जिसमें निम्नधारा होती है। एक स्नान या एक सिंक में जब जल निकास होता है तब छोटे भंवरों को आसानी से देखा जा सकता है, लेकिन इनका निर्माण प्राकृतिक तरीके से होने वाले भंवरों से काफी अलग होता है। छोटे भंवर कई झरनों के आधार स्थान पर दिखाई देते हैं।नियाग्रा झरने जैसे शक्तिशाली झरने के मामले में होने वाले भंवर काफी शक्तिशाली हो सकते हैं। सबसे शक्तिशाली भंवरों का निर्माण संकीर्ण उथले जलडमरूमध्य में तेजी से पानी बहने के साथ होता है।

rainbox learn easy

जलप्रपात – Waterfall - झरना बहते हुए पानी का स्त्रोत है देखने में बहुत ही सुंदर लगता है। झरने की उतप्ति नदियों के बहते पानी की किसी भारी चट्टान से टकराने पर होती है। जब नदी का पानी उस चट्टान को हिला नहीं पाता तो वह गुरत्वाकर्षण बल के कारण नदियों के किनारे से बहने लगता है और झरने का रूप ले लेता है। झरने भी बहुत से प्रकार के होते हैं। कुछ की उत्पति नदियों के चट्टान से टकराने से होती है तो कुछ बर्फ के पहाड़ो के पिघलने से उत्पन्न होते हैं। कुछ कुछ झरने तो गर्म पानी के भी होते हैं। झरनों से बहने वाले पानी से नीचे झील बन जाती है। झरने कहीं पर भी पाए जा सकते हैं। दुनिया का सबसे बड़ा झरना एंजलस फॉल्स जबाँ से पानी गर्मी के दिनों में नीचे आते आते भाप बन जाता है और भारत में सबसे बड़ा झरना दुधसागर है। बड़े झरनों की आवाज बहुत जोर से आती है और कई लोगों को वह संगीत के जैसी लगती है।

निर्भीकता – Boldness- निर्भरता का सिद्धान्त इस मूल मान्यता पर आधारित है कि राजनैतिक एवं आर्थिक कारकों के बीच एक गहन संबंध होता है। ये दोनों कारक परस्पर प्रभावित करते हैं तथा काफी हद तक आर्थिक कारकों के आधार पर राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिलते हैं। निर्भरता का सिद्धान्त मूल रूप से मार्क्सवाद से प्रभावित रहा है।

ताड़पत्र – Palm leaf - **ताड़** (Palm) एकबीजपत्री वृक्ष है। इसकी 6 प्रजातियाँ होती हैं। यह अफ्रीका, एशिया तथा न्यूगीनी का मूल-निवासी है। इसका तना सीधा, सबल तथा शाखाविहिन होता है। ऊपरी सिरे पर कई लम्बी वृन्त तथा किनारे से कटी फलकवाली पत्तियाँ लगी होती हैं। इसका फल काष्ठीय गुठलीवाला होता है। ताड़ के वृक्ष 30 मीट तक हो सकते हैं।

ये पेड़ मुख्यता भारत में बिहार,बंगाल,झारखंड और पठारी क्षेत्रों में पाई जाती हैं। ये पेड़ सदाबहार वृक्ष होते हैं इनकी उचाई लगभग 45 से 50 मीटर तक होती हैं। ताड़ की उपयोगिता के कारण इसे भारतीय नोट में स्थापित किया गया है जो इसकी विशिष्टता को दिखाता है । इस वृक्ष के हर एक भाग(तना, पत्ता, जड़,फल, बिज,रस)का उपयोग अलग-अलग तरह से किया जा सकता है ।

जिरह – Cross – Examination - **वाद-विवाद** या **बहस** , किसी विषय पर चर्चा की एक औपचारिक विधि है। वाद-विवाद में दो परस्पर विपरीत विचारों के समर्थक अपना-अपना तर्क रखते हैं और दूसरे के कथनों का खण्डन करने का प्रयत्न करते हैं। वाद-विवाद सार्वजनिक बैठकों में हो सकता है, शैक्षणिक संस्थानों में हो सकता है, विधायी सभाओं (जैसे संसद) में हो सकता है। वाद-विवाद एक औपचारिक चर्चा है जिसमें प्रतिभागियों के अलावा प्रायः एक संचालक होता है और श्रोता होते हैं।

तार्किक सुसंगति (consistency), तथ्यात्मक परिशुद्धता, तथा कुछ सीमा तक श्रोताओं से भावनात्मक जुड़ाव (अपील) वाद-विवाद के मुख्य अंग हैं। जब कोई औपचारिक वाद-विवाद प्रतियोगिता की जाती है तब आपसी मतभेदों पर चर्चा करने और उन्हें ठीक करने के लिए नियम भी बनाए गये होते हैं।

मस्तिष्क – दिमाग – Brain- **मस्तिष्क** जन्तुओं के केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र का नियंत्रण केन्द्र है। यह उनके आचरणों का नियमन एंव नियंत्रण करता है। स्तनधारी प्राणियों में मस्तिष्क सिर में स्थित होता है तथा खोपड़ी द्वारा सुरक्षित रहता है। यह मुख्य ज्ञानेन्द्रियों, आँख, नाक, जीभ और कान से जुड़ा हुआ, उनके करीब ही स्थित होता है। मस्तिष्क सभी रीढ़धारी प्राणियों में होता है परंतु अमेरूदण्डी प्राणियों में यह केन्द्रीय मस्तिष्क या स्वतंत्र गैंगलिया के रूप में होता है। कुछ जीवों जैसे निडारिया एंव तारा मछली में यह केन्द्रीभूत न होकर शरीर में यत्र तत्र फैला रहता है, जबकि कुछ प्राणियों जैसे स्पंज में तो मस्तिष्क होता ही नही है। उच्च श्रेणी के प्राणियों जैसे मानव में मस्तिष्क अत्यंत जटिल होते हैं। मानव मस्तिष्क में लगभग १ अरब (१,००,००,००,०००) तंत्रिका कोशिकाएं होती है, जिनमें से प्रत्येक अन्य तंत्रिका कोशिकाओं से १० हजार (१०,०००) से भी अधिक संयोग स्थापित करती हैं। मस्तिष्क सबसे जटिल अंग है।

भारत की प्राचीन पाण्डुलिपियों में मस्तिष्क का चित्रण मस्तिष्क के द्वारा शरीर के विभिन्न अंगो के कार्यों का नियंत्रण एवं नियमन होता है। अतः मस्तिष्क को शरीर का मालिक अंग कहते हैं। इसका मुख्य कार्य ज्ञान, बुद्धि, तर्कशक्ति, स्मरण, विचार निर्णय, व्यक्तित्व आदि का नियंत्रण एवं नियमन करना है। तंत्रिका विज्ञान का क्षेत्र पूरे विश्व में बहुत तेजी से विकसित हो रहा है। बडे-बड़े तंत्रिकीय रोगों से निपटने के लिए आण्विक, कोशिकीय, आनुवंशिक एवं व्यवहारिक स्तरों पर मस्तिष्क की क्रिया के संदर्भ में समग्र क्षेत्र पर विचार करने की आवश्यकता को पूरी तरह महसूस किया गया है। एक नये अध्ययन में निष्कर्ष निकाला गया है कि मस्तिष्क के आकार से व्यक्तित्व की झलक मिल सकती है। वास्तव में बच्चों का जन्म एक अलग व्यक्तित्व के रूप में होता है और जैसे जैसे उनके मस्तिष्क का विकास होता है उसके अनुरुप उनका व्यक्तित्व भी तैयार होता है।

Brainbox Learn easy

Brainbox
learn easy